

होई जाओ संत,  
सुधारो थारी काया जी,  
अपने धनियोरा मार्ग झीणा है,  
ओ रावल माल,  
समझ्योडा वो तो,  
जीनो रे मार्ग हालो जी ओ जी,  
रथ घोडो ने धीमे हाको,  
ओ रावल माल,  
होय जाओ संत,  
सुधारो थारी काया जी ॥

ऊंडा-ऊंडा नीर,  
अथंग जल भरीया जी,  
बेरूडा रो धाग नही आयो,  
ओ रावल माल,  
होय जाओ संत,  
सुधारो थारी काया जी,  
अपने धनियोरा मार्ग झीणा है,  
ओ रावल माल,  
समझ्योडा वो तो,  
जीनो रे मार्ग हालो जी ओ जी,  
रथ घोडो ने धीमे हाको,  
ओ रावल माल,  
होय जाओ संत,  
सुधारो थारी काया जी ॥

कडवारी नीम निम्बोल्या,  
ज्यारी मीठी जी,  
कुण नर मिसरी मिलाई है,  
ओ रावल माल,  
होय जाओ संत,  
सुधारो थारी काया जी,  
अपने धनियोरा मार्ग झीणा है,  
ओ रावल माल,  
समझ्योडा वो तो,  
जीनो रे मार्ग हालो जी ओ जी,  
रथ घोडो ने धीमे हाको,  
ओ रावल माल,  
होय जाओ संत,  
सुधारो थारी काया जी ॥

अरे घर री तो खोंड,  
करकरी लागे जी,  
अरे गुड़ तो चोरी रो मीठो लागे,  
ओ रावल माल,  
होय जाओ संत,  
सुधारो थारी काया जी,  
अपने धनियोरा मार्ग झीणा है,  
ओ रावल माल,  
समझ्योडा वो तो,  
जीनो रे मार्ग हालो जी ओ जी,  
रथ घोडो ने धीमे हाको,  
ओ रावल माल,  
होय जाओ संत,  
सुधारो थारी काया जी ॥

बैठ हतायो बाला झूठ मत बोलो,  
अरे वक्त पलटीयो रे माई जावे,  
ओ रावल माल,  
होय जाओ संत,  
सुधारो थारी काया जी,  
अपने धनियोरा मार्ग झीणा है,  
ओ रावल माल,  
समझ्योडा वो तो,  
जीनो रे मार्ग हालो जी ओ जी,  
रथ घोडो ने धीमे हाको,  
ओ रावल माल,  
होय जाओ संत,  
सुधारो थारी काया जी ॥

अरे उजड खेतों बाला,  
बीज मत बावो जी,  
आसल हाथ कोनी आवे है,  
ओ रावल माल,  
होय जाओ संत,  
सुधारो थारी काया जी,  
अपने धनियोरा मार्ग झीणा है,  
ओ रावल माल,  
समझ्योडा वो तो,  
जीनो रे मार्ग हालो जी ओ जी,  
रथ घोडो ने धीमे हाको,  
ओ रावल माल,  
होय जाओ संत,  
सुधारो थारी काया जी ॥

दोई कर जोड रानी,  
रूपादेजी बोल्या जी,  
अपने धनियोने समझाया है,  
ओ रावल माल,  
होई जाओ संत,  
सुधारो थारी काया जी,  
अपने धनियोरा मार्ग झीणा है,  
ओ रावल माल,  
समझ्योडा वो तो,  
जीनो रे मार्ग हालो जी ओ जी,  
रथ घोडो ने धीमे हाको,  
ओ रावल माल,  
होय जाओ संत,  
सुधारो थारी काया जी ॥

होई जाओ संत,  
सुधारो थारी काया जी,  
अपने धनियोरा मार्ग झीणा है,  
ओ रावल माल,  
समझ्योडा वो तो,  
जीनो रे मार्ग हालो जी ओ जी,  
रथ घोडो ने धीमे हाको,  
ओ रावल माल,  
होय जाओ संत,  
सुधारो थारी काया जी ॥

स्वर प्रकाश माली जी ।  
प्रेषक मनीष सीरवी  
9640557818

Source: <https://www.bharattemples.com/hoi-jao-sant-sudharo-thari-kaya/>



# Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App

<https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans>

Facebook: <https://www.facebook.com/bharattemples/>

Telegram: <https://t.me/bharattemples>

Youtube: <https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw>